

Your imagination, we Print...



**JAYgraphics & printers**  
COMMERCIAL PRINTERS  
C-15 VIKRAM CHAMBERS, NR. INCOME TAX  
OFFICE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.  
Ph. : 93288 95485

Regd.RNI.No. GUJHIN/2016/72566

# पाटनगर उदय

GANDHINAGAR

प्रधान सम्पादक : ईलेवान एच. ठाकर  
मो. : 99784 07016

सह सम्पादक : सुरेश के. मालाणी  
मो. : 9426963888

● वर्ष : 10 ● अंक : 191 ● तारीख : 18-04-2026, SATURDAY ● पेज : 4 ● मूल्य : 0.90/- (paisa) वार्षिक शुल्क : 280/-

**‘पाटनगर उदय’**  
दैनिक समाचार पत्र में समाचार, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिये  
सम्पर्क करें : गांधीनगर कार्यालय  
403, अखबार भवन, सेक्टर-11, गांधीनगर- 382011.  
अहमदाबाद कार्यालय : 4, अन्वनी हाउस, मिठाखली रेल्वे  
क्रॉसिंग के पास, मिठाखली गाम, अहमदाबाद - 380006.  
मोबाईल नं. : 93288 95485  
email:- patnagaruday@gmail.com

● कार्यवाहक सम्पादक : कनकभाई पंड्या ● Published at I-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bungalows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR, (GUJ) ● ई-मेल : patnagaruday@gmail.com

देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनकी राह का रोड़ा कौन; हम संशोधन के लिए तैयार

## विपक्ष वोट नहीं देगा तो बिल गिर जाएगा : अमीत शाह

■ नई दिल्ली

गृहमंत्री अमित शाह अब महिला आरक्षण बिल से जुड़े संशोधन बिलों पर लोकसभा में जवाब दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो सीटें बढ़ाने का विरोध कर रहे हैं, वह ये ध्यान में रखें कि एएससी-एस्टी की सीटें बढ़ाने का भी विरोध कर रहे हैं।

शाह की स्पीच के दौरान कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने 2 शर्तें रखीं- एक तो 50% सीटें बढ़ाने के लिए ऑफिशियल अमेंडमेंट लाएं। दूसरा-परिसेमन संशोधन बिल को छोड़ दें।

इस पर अमित शाह ने कहा- हां मैं तैयार हूँ। स्पीकर महोदय एक घंटा का समय दीजिए, मैं अमेंडमेंट लेकर

आता हूँ। दूसरी शर्त के ज्ञासे मैं नहीं आऊंगा। यह बिल को फिर से टालना चाहते हैं। विपक्ष वोट नहीं देगा तो बिल गिर जाएगा। देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनकी राह का रोड़ा कौन है।

लोकसभा में महिला आरक्षण को लागू करने के लिए सीटों के परिसेमन से जुड़े तीन संशोधित बिलों पर आज लोकसभा में दूसरे दिन चर्चा जारी है। बिलों पर आज ही वोटिंग होगी। शाह ने कहा- मैं टीवी पर विपक्ष के नेता का भाषण सुन रहा था। आपकी जिम्मेदारी है कि सदन की गरिमा बनी रही। वे कहते हैं कायर हैं, सरेंडर कर रहे हैं। असंसदीय शब्दों की भरमार लग जाती है। कभी आंख मारते हैं। ये किस तरह

का बिहेवियर है। आपकी भाषा को देश सुन रहा है।

संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करते हैं। फ्लाइंग किस करते हैं। आंख मारते हैं। सत्र छोड़कर विदेश चले जाते हैं। ये भाषाओं में तीव्रता से बावनाएं व्यक्ति नहीं होती। प्रियंका से थोड़ा सीख लें कि सदन में कैसे बोलते हैं।

ये जानबूझकर दिया गया स्टेटमेंट है। हजारों साल पहले रामसेतु बनाने के लिए जिस गिलहरी ने योगदान दिया था, उस गिलहरी को भी यहां याद किया जाता है। आप महिला आरक्षण देने वाला बिल में विरोध की हथियां डाल रहे हैं। शाह ने कहा- विपक्ष ने अच्छा बुरा सोचे बिना मोदी जी जो



करे रहे हैं, उसका विरोध करने का ठान लिया है। देश की माताओं बहनों के लिए आरक्षण आ रहा है तो लग रहा था

विरोध नहीं होगा। लेकिन हो रहा है। मैं अभी बताया कि 2023 में सर्वसम्मति से ये बिल पारित हुआ लेकिन आज

कांग्रेस पीछे हट रही है। इसके दो ही कारण हैं- क्योंकि बिल मोदी जी ला रहे हैं और क्रेडिट उन्हें मिलेगा।

मोदी जी ने उन्हें एड देकर क्रेडिट देने का कह दिया फिर भी ये नहीं मान रहे हैं। हमारे नेता ने कहा कि अंतरआत्मा की आवाज से वोट करिए। अंतरआत्मा की आवाज का नारा इंदिरा जी का है। यहां आत्मा ही नदारद है। चुनाव में जहां जाओगे, महिलाओं का आक्रोश फेस करना पड़ेगा। शाह ने कहा- हमारे लिए कोई मायने नहीं रखता कि महिलाओं को प्रस्थापित करने के लिए, उनकी हिस्सेदारी देने के लिए जिसका भी सामना करना पड़े। हम करेंगे, लड़ेंगे और आरक्षण देकर रहेंगे।

एक पत्रकार का फोन आया कि विरोध का तो कारण ही नहीं है। मैंने कहा कि देखो सिर्फ महिला आरक्षण बिल का विरोध नहीं हो रहा है। हम ट्रिपल तलाक लाए, विरोध किया, राम मंदिर बनाया विरोध किया, नई संसद बनाई तो विरोध किया, नक्सलवाद खत्म किया, आतंकवाद को सक्ते में डाला, सर्जिकल स्ट्राइक, ऑपरेशन सिंदूर, सबका विरोध किया। शाह ने कहा- यहां पर महिला सांसदों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। बिल पर अच्छा बोलती हैं। हमने लेटर एंड स्पिरिट में महिला आरक्षण का अनुसरण किया है। हमारे यहां सुपमा स्वराज दिल्ली की, उमा भारती एमपी की, वसुंधरा राजे

राजस्थान की पहली सीएम बनी। 70 सालों में कांग्रेस ने कभी इन राज्यों में महिलाओं को मौका नहीं दिया। आज भी दिल्ली में रेखा गुप्ता को सीएम भाजपा ने बनाया। इस देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति द्रोपदी मूर्मू बनीं। आज 14 लाख महिलाएं जनप्रतिनिधि के रूप में पंचायत में काम कर चुकी हैं। शाह ने कहा- 1992 में नरसिम्हा राव 72 और 73 का संविधान संशोधन लेकर आए और पंचायत में महिलाओं को 33 फीसदी देने का आरक्षण का काम किया। वे कांग्रेस के पीएम थे लेकिन कांग्रेस ने उन्हें कभी अपना पीएम नहीं माना। बीजेपी ने कभी इस बिल का विरोध नहीं किया।

## 2023 का महिला आरक्षण कानून लागू, आधी रात नोटिफिकेशन जारी

इसमें बदलाव के लिए सरकार 3 नए बिल लाई; विपक्ष बोला- कानून नहीं तो संशोधन कैसा

■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण कानून यानी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' को 16 अप्रैल 2026 से लागू कर दिया है। संसद में शुक्रवार से ही इसके संशोधन पर 3 दिनों के लिए बहस शुरू हुई। इस बीच, आधी रात को मूल कानून लागू करने का नोटिफिकेशन जारी किया गया।

इसका मतलब यह है कि महिला आरक्षण के जिस कानून में संशोधन की बात की जा रही है, वह लागू ही नहीं हुआ था। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, कानून में बदलाव तभी हो सकता है जब वह लागू हो चुका हो। अचानक सरकारी नोटिफिकेशन की

यही वजह है। हालांकि, कानून लागू होने के बावजूद संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण तुरंत नहीं मिलेगा। 2023 के कानून के मुताबिक, यह 2027 की जनगणना और उसके आधार पर होने वाले परिसेमन के बाद ही लागू किया जा सकेगा। इस बीच विपक्ष ने शुक्रवार को संसद में सवाल उठाया कि जब 2023 का कानून लागू ही नहीं था, तो उसमें संशोधन का बिल कैसे लाया गया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह नोटिफिकेशन रात करीब 10 बजे जारी हुआ, जबकि उससे पहले ही संशोधन बिल पेश कर उस पर चर्चा शुरू हो चुकी थी। महिला आरक्षण बिल को 2023 में

लोकसभा और राज्यसभा में पास किया गया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने भी मंजूरी दे दी लेकिन इसके बावजूद यह कानून संविधान का हिस्सा नहीं बना था। क्योंकि कोई कानून तब तक लागू नहीं माना जाता जब तक सरकार राजपत्र (गजट) में उसको लागू करने की तारीख अधिसूचित न कर दे। अब नोटिफिकेशन जारी होने के बाद कानून तो लागू हो गया है लेकिन इसे मौजूदा लोकसभा में लागू नहीं किया जा सकता। कानून के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार, अगली जनगणना और उसके आधार पर परिसेमन (सीटों का पुनर्गठन) होगा। इसके बाद ही आरक्षण लागू किया जाएगा। इस प्रक्रिया के कारण आरक्षण 2034 तक

लागू होने की संभावना जताई गई थी। हालांकि, सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर परिसेमन कर महिला आरक्षण को 2029 के चुनाव से लागू करना चाहती है। इसके लिए सरकार ने संसद में तीन नए बिल पेश किए हैं: संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 परिसेमन विधेयक, 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक, 2026। इन तीन बिलों को पास कराने के लिए सरकार ने 16 अप्रैल से 18 अप्रैल 2026 तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। दरअसल, परिसेमन संशोधन बिल के तहत सरकार लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने की योजना बना रही है।

## संभल मस्जिद की 35 फीट ऊंची मीनार ढहाई गई: अब बुलडोजर बाकी हिस्सों को तोड़ रहा

DM-SP घटना स्थल पे पहुंचे और भीड़ को खदेड़ा

■ संभल

संभल में मस्जिद की 35 फीट ऊंची मीनार शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे गिरा दी गई। अब बुलडोजर मस्जिद के बाकी हिस्सों को तोड़ रहा है। इससे पहले, सुबह साढ़े 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक मस्जिद के बाहर की पांच दुकानों को तोड़ा गया।

मस्जिद की मीनार तोड़ने के लिए प्रशासन ने दो हाइड्रॉ मशीनें बुलाई। एक मजदूर मीनार पर चढ़कर रस्सी को बांधा, फिर उसके दूसरे सिरे को दोनों हाइड्रॉ मशीनों से बांधा। इसके बाद मशीनों से खींचकर मीनार को गिरा दिया। मामला मुबारकपुर बंद गांव का है। प्रशासन के मुताबिक, 15 साल पहले सरकारी जमीन पर

मस्जिद का निर्माण कराया गया था। फिलहाल, डीएम राजेंद्र पेंसिया और एएसपी केके बिशनोई समेत 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी मौके पर हैं। गांव वाले जुटने लगे तो विरोध की आशंका को देखते हुए पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। 12 दिन पहले, यानी 5 अप्रैल को मस्जिद पर कार्रवाई होनी थी, लेकिन उस समय बुलडोजर चालक ने मस्जिद की 35 फीट ऊंची मीनार तोड़ने से मना कर दिया था। तर्क दिया था कि मीनार बुलडोजर के ऊपर गिर सकती है। हालांकि उस दिन मस्जिद, पांच दुकानें और मस्जिद का गेट तोड़ दिया गया था। मामला का करीब 20 फीसदी हिस्सा बच गया था, जिसे आज गिराया गया। मुबारकपुर बंद गांव

गुलाम रसूल और आसमा के मकानों के कुछ हिस्से सरकारी जमीन पर बने हैं। प्रशासन ने दोनों से खुद ही कब्जा हटाने को कहा है। इसके बाद आसमा ने घर के आगे बने हिस्से को और गुलाम ने घर के गेट को डैनी-हथोड़ी से तोड़ना शुरू कर दिया है। गुलाम ने कहा- अब क्या कहें साहब...यह जमीन प्रधान के चाचा से 30 हजार में खरीदी थी, हमें कोई जानकारी नहीं थी कि यह ग्राम समाज की जमीन है। बहुत नुकसान हो गया है। वहीं, आशा कार्यकर्ता आसमा ने कहा- अगर यह सरकारी जमीन थी, तो प्रधानों ने इसे क्यों बेचा? हमने 30 साल पहले जमीन खरीदी थी। अगर उन्हें जमीन खाली करनी पड़ रही है तो

उन्हें दी गई राशि वापस मिलनी चाहिए। मुबारकपुर बंद गांव में करीब 30 साल पहले सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किया गया था। 15 साल पहले खेल मैदान पर 150 वर्गमीटर में मस्जिद का निर्माण किया गया। इसके साथ ही पांच दुकानें और आठ मकान भी बना लिए गए। हैरानी की बात यह है कि इसी जमीन पर दो सरकारी प्राइमरी स्कूल भी बने हुए हैं। सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत डीएम को मिली थी। इसके बाद तहसीलदार कोर्ट ने 28 मार्च को अवैध निर्माण हटाने के लिए नोटिस जारी किया। उसी दिन जमीन की नाप कराई गई। 30 मार्च से स्थानीय मजदूरों के जरिए निर्माण हटाने का काम शुरू हुआ।

## राहुल बोले- मेरी और PM की पत्नी नहीं: दादी के किरसे सुनाए

भाजपा सांसद बोले- मैं पत्नी के पैर छूता हूँ

■ नई दिल्ली

संसद के विशेष सत्र में शुक्रवार को महिला आरक्षण बिल से जुड़े संशोधन बिल पर चर्चा चल रही थी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपनी स्पीच के दौरान कहा कि उनकी और PM की पत्नी नहीं हैं। वहीं अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल हमेशा भाषण देकर भाग जाते हैं। निश्चिंत दुबे ने कहा कि सोनिया, सीताराम केसरी की धोती खोलकर कांग्रेस अध्यक्ष बनी थीं। राहुल ने महिला आरक्षण बिल पर स्पीच शुरू करते हुए कहा कि इस हम सभी इस कमेरे में बैठे सभी लोग जानते हैं कि महिलाओं के मुद्दे क्या हैं। घर में मां, बहनें और पत्नियां हैं। हम इनसे बहुत कुछ सीखते हैं। हालांकि, मेरी और प्रधानमंत्री जी की पत्नी नहीं है। इसके बाद सदन में विपक्ष और सत्ता पक्ष के सदस्य हंसने लगे।

भाजपा सांसद रवि किशन महिला आरक्षण बिल पर बोल रहे थे तभी पीटासीन जगदीशका पाल ने कहा कि

आपका प्रचार भी तो आपकी पत्नी करती है। इस पर किशन ने कहा- हां मेरे एक डेढ़ लाख वोट मेरी पत्नी लेकर आती हैं और मैं उनके पैर छूता हूँ। वो छूने नहीं देती लेकिन जब वो गहरी नींद में होती है तब मैं उनके पैर छूता हूँ। सबको पैर छूना चाहिए और जो महिला विरोधी हैं उनको भी छूना चाहिए।

टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय ने कहा कि देश को सरकार बताना चाहती है कि विपक्ष महिलाओं के विरोध में है। ये सच नहीं है। हमने आरक्षण बिल 2023 में स्वीकार कर लिया था। हिंदी का गाना याद आ रहा है कि चोली के पीछे क्या है चुनरी के नीचे क्या है। चोली के पीछे यानी आरक्षण बिल के पीछे परिसेमन की बात है इसे क्यों जोड़ दिया गया है। 56 इंच के सीने की बात करने वालों को औरत के पीछे छिपना पड़ रहा है इस बिल के अंदर। केंद्रीय मंत्री जेपी नट्टा ने राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष

मल्लिकार्जुन खड्गे की मदद की। दरअसल जब खड्गे राज्यसभा के अंदर सीटियों से उतर रहे थे, तब नट्टा ने खड्गे का हाथ पकड़कर उनकी सीटियां उतरने में मदद की। राहुल ने अपनी स्पीच के दौरान अपने डर, दादी से जुड़ा बगीचे का और जादूगर का किस्सा सुनाया। राहुल ने जादूगर की कहानी सुनाने के दौरान जगलिंग की और बॉक्स में ताला लगाने की एक्टिंग करके बताई। जब ओम बिरला ने टोका तो राहुल बोले सर सुनाने दीजिए। मजा आया। मैं आर्टिस्ट हूँ। चित्र बनाता हूँ। राहुल गांधी जब जादूगर से जुड़ा किस्सा सुना रहे थे तो सभी हंस रहे थे। स्पीकर ओम बिरला ने भी हंसते हुए कहा कि राहुल जी जादू पर बोलने से अच्छा है, बिल पर बोल लीजिए। इसके बाद हंगामा हो गया, और राहुल बैठ गए। स्पीकर ने कहा- आप जो चौराहे पर बोलते हैं वो ही संसद में बोलो, ऐसा नहीं होता। संसद की अपनी गरिमा होती है।

## चिकुवाड़ी में 'आप' का धुआंधार प्रचार, वार्ड नंबर 6 के उम्मीदवारों ने घर-घर जाकर मांगा समर्थन



रहे हैं और लोगों के बीच अपनी पहचान बनाई है। वहीं काजलबेन घोघरी और शोभनाबेन वधानी महिलाओं के बीच खास जाह रखती हैं। वे महिलाओं के सुख-दुख में उनकी सेवा करती रही हैं और लगातार उनका साथ देती रही हैं। आम आदमी पार्टी ने उन्हें कैंडिडेट घोषित किया है और लोगों का जबरदस्त सपोर्ट मिल रहा है।

## हरिवंश तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति बने: पहली बार मनोनीत सदस्य को पद मिला

पीएम बोले- सदन को उन पर गहरा भरोसा है

■ नई दिल्ली

हरिवंश नारायण सिंह तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति बने हैं। उन्हें शुक्रवार को निर्वाह चुना गया है। दिया गया था। आपने सभी को साथ लेकर

पहली बार किसी मनोनीत सदस्य को राज्यसभा का उपसभापति चुना गया है। हरिवंश के समर्थन में राज्यसभा सचिवालय को पांच प्रस्ताव मिले। सदन के नेता जेपी नट्टा ने पहला प्रस्ताव रखा, जबकि दूसरा प्रस्ताव नितिन नवीन ने दिया। पीएम मोदी ने कहा कि लगातार तीसरी बार उपसभापति चुना जाना इस बात का प्रमाण है कि सदन को आप पर गहरा भरोसा है। बीते समय में आपके अनुभव का सदन को लाभ मिला है। आपने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की है। हरिवंश का पिछला कार्यकाल 9 अप्रैल को खत्म हुआ था। उनकी पार्टी JDU ने इस बार नाम नहीं दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने उन्हें कैंडिडेट घोषित किया है और लोगों का जबरदस्त सपोर्ट मिल रहा है।



सदर सचिव हैं। पीएम मोदी ने हटि दी थी कि हरिवंश की राजनैतिक पारी अभी खत्म नहीं हुई है, वे आगे भी जनहित में काम करते रहेंगे। इसके आधार पर ही यह माना जा रहा है हरिवंश नारायण को मनोनीत सांसद बनाकर दोबारा लाया गया है। हरिवंश नारायण सिंह पत्रकार से नेता बने। उन्होंने जेडीयू की तरफ से राज्यसभा में बिहार का प्रतिनिधित्व किया। 2018 में पहली बार राज्यसभा के उपसभापति बने। इसके बाद 2020 में दोबारा चुने गए।

में लंबे समय तक अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का अवसर मिला। हरिवंश की राजनैतिक पारी अभी खत्म नहीं हुई है, वे आगे भी जनहित में काम करते रहेंगे। इसके आधार पर ही यह माना जा रहा है हरिवंश नारायण को मनोनीत सांसद बनाकर दोबारा लाया गया है। हरिवंश नारायण सिंह पत्रकार से नेता बने। उन्होंने जेडीयू की तरफ से राज्यसभा में बिहार का प्रतिनिधित्व किया। 2018 में पहली बार राज्यसभा के उपसभापति बने। इसके बाद 2020 में दोबारा चुने गए।

ममता ने कहा- जब आप सत्ता में नहीं रहेंगे, तब आपके घरों पर भी छापे पड़ेंगे

# देश बांग्लादेशी मुसलमानों का अड्डा बन जाएगा : हिमंता बिरवा

»नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के मालदा में चुनाव प्रचार के दौरान असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिरवा सरमा ने कहा- हर जनगणना में मुस्लिम आबादी 4-5% बढ़ी है। असम में भी यही हो रहा है। मैं बंगाल के लोगों से अपील करता हूँ कि देश को बचाना आपके हाथों में है। नहीं तो देश बांग्लादेशी मुसलमानों का अड्डा बन जाएगा।

वहीं, दमदम की सभों में सीएम ममता बनर्जी ने कहा- जब कल आप सत्ता में नहीं रहेंगे, जब आपके घरों पर ये छापे पड़ेंगे, तब समझिए और इसका सामना कीजिए। आप बंगाल पर जबर्दस्ती कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले कूच बिहार की सभा में उन्होंने कहा- हमारे

पाटी कार्यालयों, कैंडिडेट के घरों तक पर छापेमारी हो रही है। लेकिन, चाहे कितनी भी साजिश रच लें, भाजपा को हार का सामना करना ही होगा। पश्चिम बंगाल के दमदम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा- जब कल आप सत्ता में नहीं रहेंगे, जब आपके घरों पर ये छापे पड़ेंगे, तब समझिए और इसका सामना कीजिए। आप बंगाल पर जबर्दस्ती कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। पहले तो लाखों लोगों के नाम मिटा दिए गए। लड़कियाँ अपने ससुराल चली गईं, उनका नाम बदल दिया गया, उनकी उपाधि बदल दी गई, उनका पता बदल दिया गया, और उन्हें हटा दिया गया।

आपने एआई का इस्तेमाल किया और उनकी वर्तनी में गलती की और

फिर उनके नाम मिटा दिए। आपको कितना चाहिए, नाम मिटाना, वोट मिटाना, ईडी का अत्याचार, सीबीआई का अत्याचार। MNM चीफ कमल हासन ने तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री और चेपाक-थिरुवल्लिकेनी से डीएमके कैंडिडेट उदयनिधि स्टालिन के सपोर्ट में रोड शो करते हुए। सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों की मदद से असम से बाहरी लोगों को बंगाल में लाकर मतदाता सूची में हेराफेरी कर हमारी जनसांख्यिकी को बदलने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने असम में राष्ट्रीय नियंत्रण अधिनियम (एनआरसी) लागू किया। अब वे राजवंशी समुदाय को नोटिस भेजकर उसी एनआरसी का दुरुपयोग कर रहे

हैं। ममता बनर्जी ने ये आरोप शुरूवार को कूच बिहार की सभों में लगाए। भय और अलगाव का माहौल बनाना, मतदाता सूचियों में हेराफेरी करना और हेरफेर किए गए मतपत्रों के माध्यम से चुनाव जीतना। केंद्रीय बलों की सक्रिय सहायता से भारतीय लोकतंत्र में यही हो रहा है। यहां गोलियों से जीत नहीं मिलेगी। असली शक्ति जनता के पास है, और वे मतपेटों के माध्यम से करारा जवाब देंगे।

मैदनीपुर की जनसभा में टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा- अमित शाह बंगाल आए और उन्होंने खुलेआम असम में राष्ट्रीय नियंत्रण अधिनियम (एनआरसी) लागू किया। अब वे राजवंशी समुदाय को नोटिस भेजकर उसी एनआरसी का दुरुपयोग कर रहे

गुंडे अब घर-घर जाकर लोगों को डरा रहे हैं। बंगाल चुनाव के जरिए बदला लेना। बंगाल गुजरात के तड़ीपार और उसके स्थानीय गुंडों से नहीं डरेगा। हम अपने लोकतंत्र और अपनी जनता की रक्षा करेंगे। तमिलनाडु चुनाव: रामनाथपुरम में चुनाव ड्यूटी पर तैनात पुलिस और सरकारी अधिकारियों ने डाक मतपत्र डाले। पश्चिम बंगाल के बांकुरा में भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी ने कहा- ममता बनर्जी हर बात का विरोध करती हैं। वह सीए को एनआरसी और एसआईआर को एनआरसी कहती हैं, ये सब बातें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। देश में संविधान का पालन होना चाहिए। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुरूवार को पश्चिम बंगाल

के सिलीगुड़ी में रोड शो किया। उन्होंने सिलीगुड़ी विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार शंकर घोष के समर्थन में प्रचार किया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कूच बिहार की सभा में कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बैठक में कहा है कि उत्तर बंगाल में विकास विभाग में कोई प्रगति नहीं हुई है। मैं कहती हूँ, आप प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे हैं। हालांकि यह पद आपके लिए लंबे समय तक नहीं रहेगा। जब तक आप यहां हैं, कृपया कम झूठ बोलें। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिरवा सरमा ने पश्चिम बंगाल के हेमताबाद निर्वाचन क्षेत्र में सोनबारी मोड़ से बंगालबारी मोड़ तक भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में रोड शो किया।

## डीसा में कांग्रेस को बड़ा झटका: पूर्व डेलीगेट परबतसिंह राठौड़ और पूरे जूना डीसा गांव ने थामा भाजपा का दामन



»रिपोर्ट दिनेश भाई ठाकुर

जूना डिसा जिला पंचायत कांग्रेस के पूर्व डेलीगेट श्री परबतसिंह एच. राठौड़ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं।

इस मौके पर, गुजरात राज्य मंत्री और डिसा MLA प्रवीणभाई माली, पूर्व MP नरुजी ठाकुर, पूर्व राज्य MP दिनेशभाई अनावडिया, इंचार्ज धवलभाई देवे और पूर्व MLA

गोवाभाई रवारी और लाबजी ठाकुर समेत BJP नेताओं की मौजूदगी में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की शपथ ली।

इसके साथ ही, जूना डिसा गांव के सरपंच, उपसरपंच, ग्राम पंचायत सदस्य और पूरे गांव वाले भी एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए और अपना समर्थन देने का ऐलान किया।

## कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की ट्रांजिट अग्रिम जमानत बढ़ाने की मांग खारिज

SC ने कहा- असम कोर्ट जाएं; खेड़ा बोले- क्या मैं कोई अपराधी हूँ?

»नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुरूवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की ट्रांजिट अग्रिम जमानत बढ़ाने की मांग खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि वे अपनी याचिका असम की अदालत में दाखिल करें।

पवन खेड़ा की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी। उन्होंने कहा- असम की अदालतें बंद हैं, इसलिए उन्हें कुछ दिन का समय दिया जाए। क्या खेड़ा कोई अपराधी हूँ, जो मुझे इतनी राहत नहीं मिल सकती?

जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अनुराग चंद्रकर की बेंच ने यह मांग ठुकरा दी। कोर्ट ने उन्हें गलत डायरेक्टिव देने के लिए फटकार भी लगाई। यह मामला असम सीएम हिमंता बिरवा सरमा की पत्नी रिनिकी

भुइयां शर्मा को लेकर दिए गए आरोपों से जुड़ा है। खेड़ा ने 5 अप्रैल को आरोप लगाया था कि उनके पास एक से ज्यादा पासपोर्ट और विदेश में संपत्तियाँ हैं, जिनका जिक्र चुनावी हलफनामे में नहीं किया गया।

सुनवाई के दौरान खेड़ा की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि ट्रांजिट जमानत शुरूवार को खत्म हो रही है, इसलिए इसे मंगलवार तक बढ़ा दिया जाए ताकि वे सोमवार को असम में याचिका दाखिल कर सकें। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया कि खेड़ा ने सीधे असम की अदालत का रुख क्यों नहीं किया और पहले तेलंगाना हाईकोर्ट क्यों गए। सिंघवी ने जवाब दिया कि खेड़ा की पत्नी का हैदराबाद में घर

है। वे वहां आते-जाते रहते हैं। इस दौरान अर्दानी जनरल तुषार मेहता ने दस्तावेजों में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते समय आधार कार्ड के आगे और पीछे अलग-अलग लोगों की जानकारी दी गई थी। उनके मुताबिक, इसी आधार पर हाईकोर्ट से राहत ली गई और यह फोरम शॉपिंग का मामला है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने दस्तावेजों में गड़बड़ी को गंभीर माना और जमानत बढ़ाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि खेड़ा असम की अदालत में जाकर अपनी बात रखें। असम के सीएम हिमंता बिरवा सरमा ने शुरूवार को बंगाल में मीडिया से बात करते हुए कहा कि मेरा मानना है कि पवन खेड़ा को कानून के सामने

सरेंजर करना चाहिए। उन्हें गुवाहाटी आकर सरेंजर करना चाहिए।

इससे पहले 10 अप्रैल को तेलंगाना हाईकोर्ट ने खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी, ताकि वे असम की अदालत में जा सकें। असम सरकार ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिसके बाद 15 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। असम सीएम की पत्नी के पास तीन देशों मिस्र, एंटीगुआ-बरबूडा और UAE के पासपोर्ट हैं। पवन खेड़ा ने कॉन्फ्रेंस में तीन पासपोर्ट भी दिखाए। उन्होंने कहा कि सरमा की राजनीति मुसलमानों के खिलाफ नफरत पर आधारित है, जबकि उनकी पत्नी के पास दो मुस्लिम देशों के पासपोर्ट हैं।

## राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज करने का आदेश :उन पर ब्रिटिश नागरिकता का आरोप इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- CBI जांच करे

»लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने शुरूवार को राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज करने का आदेश दिया है। जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने कहा, FIR दर्ज करके मामले को CBI को ट्रांसफर किया जाए। CBI इसकी जांच करेगी।

कोर्ट ने यह आदेश कर्नाटक भाजपा के कार्यकर्ता एस विमेश शिशिर की याचिका पर दिया। उन्होंने राहुल गांधी पर ब्रिटिश नागरिकता लेने का आरोप लगाया था।

28 जनवरी, 2026 को MP-MLA कोर्ट ने विमेश शिशिर की याचिका को खारिज कर दिया था। तब कोर्ट ने कहा था- 'मामले में

हाईकोर्ट- सुप्रीम कोर्ट से अब तक कोई आदेश पारित नहीं हुआ है। याचिकाकर्ता की ओर से नागरिकता (सिटीजनशिप) के संबंध में कोई नया या दोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है।'

हाईकोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को खारिज करते हुए कहा कि मजिस्ट्रेट को लगाए गए आरोपों की सत्यता पर टिप्पणी करने की आवश्यकता नहीं थी। सुनवाई के दौरान जज सुभाष विद्यार्थी ने गृह मंत्रालय के फेरिनस डिवीजन को निर्देश दिए कि मामले से संबंधित सभी जरूरी दस्तावेज पेश करें। मंत्रालय ने केस से जुड़ी सभी फाइलें हाईकोर्ट में पेश कीं।

विमेश शिशिर का दावा है कि उन्होंने कोर्ट के समक्ष ऐसे दस्तावेज और साक्ष्य पेश किए हैं, जिनसे यह संकेत मिलता है कि राहुल गांधी यूनाइटेड किंगडम में मतदाता रहे हैं। वहां चुनावों में भागीदारी से जुड़े रिकॉर्ड मौजूद हैं। याचिका में राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की विभिन्न धाराओं के साथ-साथ ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट 1923, पासपोर्ट एक्ट 1967 और फेरिनस एक्ट 1946 के उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकता से जुड़ा गंभीर विषय है।

शुरूवार को सुनवाई में यूपी सरकार की तरफ से वकील डॉ. बीके सिंह पेश हुए थे। जबकि केंद्र सरकार का पक्ष वकील एसबी पांडेय ने रखा। याचिकाकर्ता विमेश पांडेय की तरफ से विदेशवरी पांडेय कोर्ट में पहुंचे थे। यह शिकायत शुरू में रायबरेली में विशेष MP/MLA कोर्ट के समक्ष दायर की गई थी। हालांकि, याचिकाकर्ता के अनुरोध पर हाईकोर्ट ने 17 दिसंबर, 2025 को इस मामले को लखनऊ ट्रांसफर कर दिया था। इसके बाद लखनऊ में MP/MLA कोर्ट ने 28 जनवरी, 2026 को याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटया, जिसने अब FIR दर्ज करने का आदेश दिया है।

## अमेरिकी सेना ने 12 साल बाद सीरिया छोड़ा :जॉर्डन लौट रहे सैनिक सरकार बोली- अब देश में एक ही प्रशासन चलेगा

»दमिश्क

करीब 12 साल की सैन्य मौजूदगी के बाद अमेरिका ने सीरिया से अपने सभी सैनिक निकाल लिए हैं और सैन्य ठिकाने खाली कर दिए हैं। अप्रैल 2026 में हसका के कसराक एयरबेस से आखिरी अमेरिकी काफिला निकल गया। इसके बाद सीरियाई सरकार ने सभी बेस अपने कब्जे में ले लिए।

सीरियाई विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यह कदम देश को एकजुट करने और पूरे इलाके पर सरकार का नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में बड़ा एक नया समझौता हुआ। इसके तहत की कि करीब 2000 सैनिक जॉर्डन जा रहे हैं। अमेरिका ने हसका, रमेलान और

देहर एज-जोर में मौजूद कम से कम सात बड़े ठिकाने खाली किए। आखिरी ठिकाना कसराक एयरबेस था। अब इस पर सीरियाई सेना का नियंत्रण है। इस बीच, सीरिया सरकार और SDF के बीच हुए समझौते के बाद कुर्द लड़ाकों को राष्ट्रीय सेना में शामिल किया जा रहा है। हसका और त्रामिशली जैसे शहरों में सरकारी बल तैनात हो चुके हैं और सीमाई इलाकों पर भी दमिश्क का नियंत्रण बढ़ा है।

इसी साल दोनों पक्षों के बीच झड़पें भी हुई थीं, जिसके बाद मार्च में एक नया समझौता हुआ। इसके तहत SDF और कुर्द प्रशासनिक ढांचे को धीरे-धीरे राज्य में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू हुई। सीरिया ने हाल ही

में अंतरराष्ट्रीय एंटी-ISIL गठबंधन में शामिल होकर अपनी भूमिका बदली है। इससे अमेरिका के लिए सीरिया में सैन्य मौजूदगी का आधार कमजोर हुआ और अब वह क्षेत्र में अपनी रणनीति को नए सिरे से तय कर रहा है। SDF एक कुर्द-नेतृत्व वाला गठबंधन है, जिसे 2015 में बनाया गया था और इसमें कुर्द, अरब और दूसरे स्थानीय समूह शामिल हैं। सीरिया के गृहयुद्ध के दौरान जब सरकार कमजोर हुई, तब कुर्द लड़ाकों ने उत्तर-पूर्वी इलाकों पर कब्जा कर लिया। बाद में यही SDF के रूप में मजबूत ताकत बन गया। अमेरिका के हटने के बाद सबसे बड़ा असर सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्स (SDF) पर पड़ा है। पिछले एक दशक

में उत्तर-पूर्वी सीरिया के बड़े हिस्से पर इसी संगठन का नियंत्रण रहा था। यह पूरी तरह अमेरिकी समर्थन पर टिका हुआ था। हालांकि SDF और सीरियाई सरकार के बीच रिश्ते बेहतर हो रहे हैं। सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शारा ने दमिश्क में SDF के कमांडर मजलूम अब्दी और राजनीतिक प्रमुख इलहम अहमद से मुलाकात की है। विदेश मंत्री असाद हसन अल-शौबानी भी मौजूद थे। यह बैठक SDF को राष्ट्रीय ढांचे में शामिल करने की प्रक्रिया का हिस्सा थी। इससे पहले जनवरी 2025 में दमिश्क और SDF के बीच समझौता हुआ था। इसके तहत कुर्द लड़ाकों को सीरियाई सेना में शामिल किया जा रहा है।

## लेबनान में सीजफायर के बाद फैसला; ट्रंप बोले- शुक्रिया, लेकिन ईरान की नाकाबंदी जारी रहेगी ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोला, कमर्शियल जहाज गुजर सकेंगे

»तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

ईरान ने सीजफायर के दौरान होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खोल दिया है। विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने X पर पोस्ट कर बताया कि सभी कमर्शियल जहाजों को गुजरने की इजाजत होगी। यह फैसला लेबनान में सीजफायर के बाद लिया गया है।

उन्होंने बताया कि जहाज एक सुरक्षित रास्ते से गुजरेंगे, जिसे ईरान के पोर्ट्स और मैरिटाइम ऑर्गेनाइजेशन ने पहले से तय कर रखा है, ताकि सफर के दौरान कोई खतरा न हो। अराघची ने कहा कि इस दौरान जहाजों की

सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी, ताकि समुद्री व्यापार प्रभावित न हो।

इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टुथ सोशल पर पोस्ट कर ईरान को शुक्रिया कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही होर्मुज स्ट्रेट खुल गया है लेकिन ईरान पर अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी जारी रहेगी और यह सिर्फ ईरान पर लागू होगी। ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान अपने निरर्देशित (संबंधित) यूरेनियम का भंडार अमेरिका को सौंपने के लिए तैयार हो गया है। एनरिचड यूरेनियम

का इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में होता है।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से यह भी कहा कि दोनों देश शांति समझौते के काफी करीब हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह डील हो जाती है तो तेल की सप्लाई शुरू हो जाएगी और हालात सामान्य हो जाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर समझौता इस्लामाबाद में होता है तो वे पाकिस्तान भी जा सकते हैं। हालांकि ईरानी मीडिया ने ट्रंप के दावे को गलत बताया है और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति हवाई किले बना रहे हैं।



यूरेनियम एक ऐसा पदार्थ है, जिससे परमाणु ऊर्जा भी बनाई जा सकती है और परमाणु बम भी। फर्क सिर्फ इस बात से पड़ता है कि उसे कितना

एनरिचड किया गया है। प्राकृतिक यूरेनियम में काम का हिस्सा बहुत कम होता है, इसलिए उसे मशीनों (सेंट्रीफ्यूज) के जरिए स्टेप बाय स्टेप शुद्ध किया जाता है। इसी प्रक्रिया को 'यूरेनियम एनरिचमेंट' कहते हैं। अंतरराष्ट्रीय एजेंसी IAEA की रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान के पास कुल मिलाकर करीब 5 से 6 टन के बीच एनरिचड यूरेनियम मौजूद है। हालांकि, यह इतना एनरिचड नहीं है कि इससे परमाणु हथियार बन सकें। अभी 120 से 130 किलोग्राम के आसपास यूरेनियम को 60% तक

एनरिचड किया जा चुका है। अगर यह एनरिचमेंट 90% तक कर लिया गया तो इससे परमाणु हथियार बनाए जा सकते हैं। इसलिए अमेरिका और इजराइल, ईरान पर परमाणु कार्यक्रम सीमित करने और एनरिचड यूरेनियम सौंपने का दबाव बनाते रहे हैं। ईरान के होर्मुज स्ट्रेट खुला रखने के ऐलान के बाद वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, बेंट क्रूड 11.12 डॉलर यानी 11.2% गिरकर 88.27 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं अमेरिकी

WTI क्रूड 11.40 डॉलर यानी 12% गिरकर 83.29 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। ट्रंप ने कहा है कि भले ही होर्मुज स्ट्रेट खुल गया है लेकिन ईरान पर अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी जारी रहेगी और यह सिर्फ ईरान पर लागू होगी। उन्होंने कहा कि यह नाकेबंदी तब तक जारी रहेगी, जब तक अमेरिका और ईरान के बीच डील पूरी तरह से खत्म नहीं हो जाती। ट्रंप ने दावा किया कि बातचीत के ज्यादातर मुद्दों पर पहले ही सहमति बन चुकी है और यह प्रक्रिया जल्दी पूरी हो सकती है।

# आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स का मुकाबला

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** आईपीएल में शुरुआत को होने वाले मुकाबले में शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस की टीम का मुकाबला आर्जुन्य राहणे की कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। इस मैच में गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान जीत दर्ज करने का पूरा प्रयास करेगी। टाइटंस की टीम भी अभी तक अपने घरेलू मैदान पर जीत हासिल नहीं कर पाई है। उसे अभी तक यहां खेले गए एकमात्र मैच में राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा था पर इसके बाद उसने विरोधी टीम के मैदानों पर दो जीत हासिल की है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज हैं और उसकी गेंदबाजी भी काफी अच्छी है। उसके तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान ने अब तक इस सत्र में काफी अच्छे गेंदबाजी की है। बल्लेबाजी में शुभमन के अलावा टीम के पास जोस बटलर और राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों हैं। आंकड़ों की बात करें तो अब तक दोनों के बीच पांच मुकाबले हुए हैं जिसमें से गुजरात ने तीन जबकि केकेआर ने एक मैच जीता है। वहीं एक मैच बेततीजा रहा।

वहीं दूसरी ओर अपने पांच में से चार मैच हारी केकेआर का प्रदर्शन इस बार बेहद खराब रहा है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी कमजोर है। उसका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इसी कारण उसे एक अंक मिला है। ऐसे में कप्तान राहणे का प्रयास किसी प्रकार टीम को जीत दिलाना रहेगा। केकेआर की टीम का प्रयास गुजरात के खिलाफ मैच जीतकर लय हासिल करना रहेगा। केकेआर की टीम को इसके लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सुधार करना होगा। हर्षित राणा और आकाश दीप के चोटिल होने से टीम की गेंदबाजी कमजोर है जिसके देखते हुए किसी अच्छे गेंदबाज को शामिल करना होगा। इसके अलावा उसके फार्म से बाहर चल रहे स्पिनरों सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उसे लगातार असफल हो रहे कैमरून ग्रीन की जगह पर टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे किसी खिलाड़ी को शामिल करने पर विचार करना होगा। उसके कप्तान को भी ठीक फॉर्म लेने होंगे। पिछले मैचों में उसके कप्तान के टॉस जीतने के बाद कई गलत फैसलों से भी टीम को नुकसान हुआ है। टीम की



गेंदबाजी कितनी लचर है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ वह 220 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर सकी जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए 65 रनों से हार गयी जबकि लक्ष्य 200 से भी कम था।

टीम के बल्लेबाजी क्रम में कमी नजर आती है। पिछले मैच में सुनील नारायण को पारी की शुरुआत करने के लिए भेजा गया जबकि राहणे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। यह दोनों ही बदलाव गलत साबित हुए थे। मनीष पांडे, राहुल त्रिपाठी और सार्थक रंजन जैसे बल्लेबाजों को अभी तक अवसर नहीं मिला है। ऐसे में केकेआर के लिए जीत दर्ज करना काफी कठिन है। उसे बल्लेबाजी, गेंदबाजी सहित सभी क्षेत्रों में सुधार करना होगा।

## टीम इस प्रकार है

**गुजरात टाइटंस** = शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, उल्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुधार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, अरशद खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कगिसो रबाडा, आर साई किशोर, इशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बेंटन, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया।

**कोलकाता नाइट राइडर्स** = अर्जुन्य राहणे (कप्तान), मनीष पांडे, रोमन पॉवेल, ऑगवुध रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरून ग्रीन, मधुश्रीषा पथिराना, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, रचिन रंजित, आकाश दीप, ब्लेसिंग मुजराबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, फिन एलन, दक्ष कामरा, कार्तिक त्यागी, सार्थक रंजन, सौरभ दुबे।

## बारसिलोना ओपन से हटे अल्कराज, फेंच ओपन में भी खेलना संदिग्ध



**बारसिलोना (एजेंसी)।** स्पेन के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने कलाई की चोट के कारण बारसिलोना ओपन टेनिस से अपना नाम वापस ले लिया है। अल्कराज यहां दूसरे दौर में पहुंच गये थे ऐसे में उनके बाहर होने से प्रशंसकों को झटका लगा है। ऐसे में खिताब जीतने को अवसर उनके हाथ से निकल गया। इसके अलावा आगामी फेंच ओपन टेनिस में उनका खेलने पर संशय हो गया है। अल्कराज ने क्लासिफायर ओटो विरेटन के खिलाफ अपने शुरुआती मुकाबले में सीधे सेटों में जीत हासिल की थी। हालांकि, इसी मैच के दौरान रिटर्न करते समय उन्हें अपनी कलाई में दर्द लगा जिसके बढ़ने से उन्हें अपना नाम वापस लेना पड़ा है। टॉमस मैसेके के खिलाफ दूसरे दौर के मैच से पहले हुई जांच में उनकी चोट गंभीर पाई गई, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

इसी को लेकर अल्कराज ने कहा, 'मैं चोट के दौरान रिटर्न करते समय लगा

कि मेरी कलाई जवाब दे गई है। टेस्ट के बाद पता चला कि चोट हमारी उम्मीद से ज्यादा गंभीर है। मुझे अपने शरीर की सुननी होगी और इस समय रिकवरी को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने जोर दिए कि वह जल्द से जल्द घर लौटकर अपनी मेडिकल टीम, जिसमें डॉक्टर और फिजियो शामिल हैं, के साथ उपचार शुरू करेंगे, ताकि वह आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स के लिए फिट हो सकें।

इस चोट के कारण अल्कराज के हाथ से नंबर एक स्थान फिर से हासिल करने का मौका भी निकल गया। अगर वह यहां जीतते तो शीर्ष स्थान पर वापसी कर सकते थे। अब उनका लक्ष्य 18 मई से शुरू होने वाले फेंच ओपन के लिए पूरी तरह से फिट होना रहेगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में ब्रिटेन के कैमरून नॉरी ने ईथन क्लिन को 6-3, 4-6, 6-4 से हराकर तीसरे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली है।

## टी20 प्रारूप में आप एक ही तरह से गेंदबाजी करके प्रसंगिक नहीं रह सकते : लुंगी एनगिडी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टी20 संवाददाताओं से बात करते हुए एनगिडी ने विश्व कप में बड़े-बड़े बल्लेबाजों को अपनी हाल की सबसे असरगर्भ गेंद के परेशान करने वाली लुंगी एनगिडी की नीचे की आगिरती हुई धीमी गेंद (डिफिंग स्लोअर बॉल) इंडियन प्रीमियर लीग में भी बल्लेबाजों के लिए उतनी ही घातक बनी हुई है। एनगिडी ने 2018 में चेन्नई सुपरकिंग्स में ड्वेन ब्रावो के कहने पर अपनी धीमी गेंदों पर काम करना शुरू किया था और खेल के इस सबसे छोट प्रारूप में इस अहम कला में महारत हासिल करने में उन्हें थोड़ा समय ही लगा। दक्षिण अफ्रीका और दिल्ली कैपिटल्स के इस तेज गेंदबाज को इतनी ही है कि अब सभी उनकी गेंदबाजी को विविधताओं के बारे में बात कर रहे हैं जबकि ये वर्षों से उनके खेल का हिस्सा रही है। बृहस्पतिवार को चुनिंदा ही आसान शब्दों में दिया।



बावें में बात की। एक धीमी गेंद को बल्लेबाज के पास पहुंचते-पहुंचते नीचे की आगिरने लगती है। यह धीमी 'यॉर्कर', लेंथ गेंद या धीमी बाउंडर हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज ने टी20 विश्व कप के दौरान कहा था, 'यह एक ही गेंद के साथ तीन अलग-अलग लेंथ हैं और बल्लेबाज को यह अंदाजा लगाना होता है कि अगली गेंद कौन सी आने वाली है।' बृहस्पतिवार को इस तेज गेंदबाजी से उनकी विविधताओं और टी20 प्रारूप में बल्लेबाजों से आगे रहने में वह कैसे कामयाब रहे इस बारे में कई सवाल पूछे गए। एनगिडी ने उन सभी का जवाब बहुत ही आसान शब्दों में दिया।

## भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय मैच मुमकिन नहीं, आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने बताई वजह

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज होने की संभावना भविष्य में कभी भी मुमकिन नहीं होगी, इसकी वजह है पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) पर राजनीतिक असर। उन्होंने कहा कि अगर बोर्ड ने 'राजनीतिक दांव-पेच न खेले होते और इसे राजनीतिक मुद्दा न बनाया होता', तो शायद 'कुछ बात बन सकती थी'। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन से बात करते हुए मोदी ने इस विचार को खारिज कर दिया कि कोई न्यूट्रल जगह भी दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को फिर से शुरू कर सकती है। उन्होंने कहा कि असली मुद्दा वह है जिसे उन्होंने ब्रह्म पर बढ़ते राजनीतिक असर के तौर पर

बताया। मोदी ने दोहराया कि हालात जल्द सुधरने की उम्मीद नहीं है, जिससे क्रिकेट भविष्य में द्विपक्षीय सीरीज की संभावना लगभग खत्म हो जाती है। 'स्टिक टू क्रिकेट' पॉडकास्ट पर उन्होंने कहा, 'मुझे डर है कि क्रिकेट भविष्य में यह मुमकिन नहीं हो पाएगा, इसकी मुख्य वजह है पाकिस्तान में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का राजनीतिकरण और बदकिस्मती से, हालात ऐसे ही हैं।'

उन्होंने तर्क दिया कि क्रिकेट जगत में अब फैसले आजादी से नहीं लिए जा रहे हैं, जिससे दोनों टीमों के बीच मैच करवाने की कोशिशें और मुश्किल हो गई हैं। उन्होंने भारत-पाकिस्तान मैचों के दौरान बने तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'मैं ही वह

इंसान था जो पाकिस्तानी खिलाड़ियों को आईपीएल में लेकर आया था, लेकिन 26/11 के मुंबई हमलों के बाद मुझे उन्हें हटाना पड़ा।'

उन्होंने कहा, 'दिक्रत यह है कि अगर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड आजाद होता और आजादी से काम करता, अगर उस पर राजनीति का असर न होता, तो शायद कुछ बात बन सकती थी। लेकिन आज पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर सत्ता में बैठे लोगों का इतना ज्यादा राजनीतिक असर है कि वे ही सारे फैसले ले रहे हैं और इसे राजनीतिक मुद्दा बना रहे हैं। हमारे बीच उस स्तर पर यानी राजनीतिक स्तर पर तनाव है और वह तनाव खत्म होने वाला नहीं है। यह तो और भी बदतर होता जाएगा। इसलिए मुझे खिलाड़ियों की सुरक्षा की चिंता है।'

भारत और पाकिस्तान ने 2012-13 सीजन के बाद से नियमित द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज खेलना बंद कर दिया था। जनवरी 2013 में पाकिस्तान के भारत दौरे के बाद बढ़ते राजनीतिक तनाव और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की वजह से द्विपक्षीय सीरीज बंद हो गई। तब से दोनों देशों ने अपने मुकाबले सिर्फ ICC वर्ल्ड कप और एशिया कप जैसे कई देशों वाले टूर्नामेंट तक ही सीमित रखे हैं।

भारत-पाकिस्तान संबंधों के अलावा मोदी ने 2026 टी20 वर्ल्डकप में हिस्सा न लेने के बांग्लादेश के फैसले पर भी अपनी राय दी। बांग्लादेश ने भारत आने-जाने से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं की वजह से यह फैसला लिया था। उन्होंने इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि यह बेवजह था।

## 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से वापसी कर सकते हैं धोनी

### इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतार सकती है सीएसके

मुंबई। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अब पिंडली में आये खिंचाव से उबर गये हैं और उनकी शीर्ष टीम में वापसी की संभावनाएं हैं। धोनी की कमी टीम को काफी महसूस हो रही है पर अब क्रिकेट प्रेमियों और प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मैच से वापसी कर सकते हैं। धोनी को इस मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा जा सकता है। धोनी अभ्यास सत्र दौरान पिंडली में खिंचाव के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हो गए थे। हालांकि, अब रिपोर्टों के मुताबिक 44 वर्षीय धोनी अब पूरी तरह से फिट होने के करीब हैं। धोनी के नहीं खेलने पर सीएसके का अब तक का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। टीम ने आईपीएल 2024 में पांच मुकाबले खेले हैं, जिनमें से तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा और दो में जीत मिली। शुरुआती तीन हार के बाद, ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली टीम ने पिछले दो घरेलू मैचों में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर अपनी लय हासिल कर ली है। हालांकि, मौजूदा अंक तालिका में सीएसके 10 टीमों में से आठवें स्थान पर है, ऐसे में टीम को धोनी की वापसी का बेसबी से इंतजार है ताकि टीम और बेहतर प्रदर्शन कर सके। अधिक बोझ न डालते हुए टीम धोनी को इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान पर उतार सकती है, जिससे उनकी बल्लेबाजी का पूरा लाभ उठाया जा सके। धोनी के होने भर से ही टीम में उल्लास रहता है। इसके अलावा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को भी वह जरूरी सहाय दे सकते हैं। धोनी के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ वापसी करना एक विशेष क्षण होगा, क्योंकि इस टीम के खिलाफ उनका रिकॉर्ड हमेशा शानदार रहा है। उन्होंने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और राजिंड्र पुणे सुपर जायंट्स के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ कुल 44 मैच की 38 बल्लेबाजी पारियों में उन्होंने 772 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 35.09 और स्ट्राइक रेट 130.62 रहा है।



## सीएसके जीत के बाद भी कप्तान ऋतुराज के फार्म को लेकर चिंतित

**चेन्नई (एजेंसी)।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) शुरुआती मैचों में हार के बाद लगातार दो मैच जीतकर जीत की राह पर लौटी है। सीएसके की जीत के बाद भी, कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन से उसपर दबाव बना हुआ है। इस सीजन में उनका स्ट्राइक रेट बेहद खराब रहा है। इस मैच में भी वे तेजी से रन बनाने की कोशिश में 7 रन (6 गेंद) बनाकर आउट हो गए। आयुष म्हात्रे के साथ बल्लेबाजी क्रम बदलने की मांग जोर पकड़ रही है। इसके अलावा, गायकवाड़ ने एक आसान कैच भी गिरा दिया, हालांकि शुरु है कि इससे सीएसके को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

वहीं सीएसके से मिली हार के साथ ही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम का इस सत्र में हार का सिलसिला समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी के साथ ही केकेआर अकेली ऐसी टीम बन गयी है जो अभी तक एक भी मैच नहीं जीती है। सीएसके के खिलाफ मैच में भी वह दबाव का सामना नहीं कर पायी और बिखर कर आउट कर अपना विकेट खाता खोला और फिर 12वें ओवर की दूसरी गेंद पर समद को पेवेलियन भेज दिया। समद को आउट करते ही आईपीएल में उनके विकेट का शतक पूरा हो गया हालांकि, आरसीबी की पारी में ऋणाल की बल्लेबाजी नहीं आई। बल्लेबाजी में ऋणाल के नाम है 1700 से ज्यादा रन भी हैं। ऋणाल एक बेहतरीन बैटिंग ऑलराउंडर हैं। गेंदबाजी के साथ-साथ उन्होंने मध्यक्रम में अपनी बल्लेबाजी से भी कई बार

सलाह दी, जिसके बाद नूर लगभग अजेय हो गए थे। फिन एलन के लिए एक और निराशाजनक मैच रहा। उन्होंने सीजन की शुरुआत कुछ अच्छी पारियों के साथ की थी, लेकिन एक विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज के तौर पर केकेआर उनसे कहीं बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। एलन पिछले तीन मैचों में प्रभाव डालने में विफल रहे हैं, और तीनों में वे दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए। टीम की लगातार हार को देखते हुए केकेआर कब तक उन पर भरोसा कर पाएगी? उनके साथी टिम सीफर्ट बेंच पर इंतजार कर रहे हैं, जिन्होंने टी20 विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन किया था।



## ऋणाल पांड्या ने आईपीएल में बनाया रिकार्ड, अक्षर और जडेजा के वलब में शामिल

### - 100 विकेट और 1000 रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बने

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ऑलराउंडर ऋणाल पांड्या ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए मुकाबले में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। ऋणाल ने इस मैच में अब्दुल समद को आउट करते ही आईपीएल में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए। आईपीएल में ऐसा करने वाले सिर्फ तीसरे भारतीय बने हैं, उनसे पहले ये खास उपलब्धि सिर्फ रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल ही हासिल कर पाए थे। गेंदबाजी ही नहीं बल्लेबाजी में भी वह किसी से पीछे नहीं हैं। आईपीएल में उनके नाम 1000 रन भी हैं। सुरजजायंट्स के खिलाफ मैच में

ऋणाल ने 4 ओवर की गेंदबाजी में 38 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने एलएसजी की पारी के 10वें ओवर की पांचवीं गेंद पर मिचेल मार्श को आउट कर अपना विकेट खाता खोला और फिर 12वें ओवर की दूसरी गेंद पर समद को पेवेलियन भेज दिया। समद को आउट करते ही आईपीएल में उनके विकेट का शतक पूरा हो गया हालांकि, आरसीबी की पारी में ऋणाल की बल्लेबाजी नहीं आई। बल्लेबाजी में ऋणाल के नाम है 1700 से ज्यादा रन भी हैं। ऋणाल एक बेहतरीन बैटिंग ऑलराउंडर हैं। गेंदबाजी के साथ-साथ उन्होंने मध्यक्रम में अपनी बल्लेबाजी से भी कई बार

टीम को जीत दिलाया है। आईपीएल में उन्होंने अबतक 119 पारियों में 1757 रन भी बनाए हैं। इसके कारण ही वह रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल के बाद आईपीएल में 1000 रन और 100 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। वहीं जडेजा ने आईपीएल में चार टीमों के लिए 259 मैचों में 173 विकेट और 3336 रन बनाए हैं, जबकि अक्षर पटेल ने 166 आईपीएल मैचों में 1919 रन और 131 विकेट लिए हैं। वहीं इनके अलावा तीन विदेशी खिलाड़ियों सुनील नरेन, आदि रसेल और ड्वेन ब्रावो ने भी आईपीएल में 1000 रन और 100 विकेट लिए हैं।



## गेंदबाज पंत को आउट नहीं कर रहे, अधिकतर वह खुद आउट हो रहा है: नवजोत सिंह सिद्धू

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऋषभ पंत अपनी विकेट खुद ही गंवा रहे हैं जबकि वह इसके लिए गेंदबाजों को मेहनत नहीं करवा रहे और और इसी वजह से मौजूदा आईपीएल सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। मौजूदा सत्र में पंत का प्रदर्शन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है जिसमें कई बार उन्होंने बहुत कम स्कोर बनाए हैं। उन्होंने एकमात्र अच्छी पारी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नाबाद 68 रन की खेली। सुपर जायंट्स की टीम इस समय अंक तालिका में सातवें स्थान पर है जिसकी मुख्य वजह उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाना है। पंत और सुपरजायंट्स के बारे में बात करते

हुए सिद्धू ने कहा, 'उन्हें अपनी कमियों पर काफी गहराई से सोचने की जरूरत है। उनकी समस्याएं बनी हुई हैं, विशेषकर इसलिए क्योंकि उनका शीर्ष क्रम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है। वे अपने शुरुआती तीन बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर रहे हैं लेकिन उन्हें इसका कोई फायदा नहीं मिला है। जब उनपर (एडन) मारक्रम, (निकोल्स) पूरन, (मिचेल) मार्श और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों को देखते हैं तो उनमें जबरदस्त क्षमता रहती है लेकिन उनके बीच साझेदारियों की कमी है।'

सिद्धू ने कहा, 'शीर्ष क्रम में 50 रन की साझेदारी भी बहुत कम देखने को मिली है। मुझे नहीं लगता कि गेंदबाज ऋषभ को आउट कर रहे हैं बल्कि अधिकतर वह खुद ही आउट हो रहे हैं। उनमें प्रतिभा और क्षमता दोनों हैं और अगर वह

खुद को थोड़ा समय दें तो वह अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं। फिलहाल उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही संघर्ष करती नजर आ रही हैं।'

बुधवार को बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 5 विकेट की हार के दौरान पंत सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए थे। पंत लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और पांच मैचों में सिर्फ 104 रन बना पाए हैं। उनका औसत 26.00 और स्ट्राइक रेट 122.35 का है। सिद्धू रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार विराट कोहली की रनों की भूख से काफी प्रभावित हुए जबकि वह लगभग दो दशकों से शीर्ष स्तर पर रहने का सपना देख रहे हैं। गेंदबाजी के साथ-साथ उन्होंने मध्यक्रम में अपनी बल्लेबाजी से भी कई बार



अधिकतर खिलाड़ियों के शत प्रतिशत प्रदर्शन से बेहतर होते हैं। उनका प्रभाव और दबदबा ही कुछ ऐसा है। शारीरिक रूप से पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद उन्होंने जबरदस्त अर्धशतकीय पारी खेली। सिद्धू ने कहा, 'जिस तरह से उन्होंने

मोहम्मद शमी पर दबदबा बनाया वह देखने लायक था। वह अपने पैरों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए कब्र के ऊपर से शॉट लगा रहे थे और बहुत ही सहजता से पुल और कट शॉट खेल रहे थे।'

## 70 लाख डॉलर के अनुबंध मामले में फंसे लियोनेल मेस्सी, इवेंट प्रमोटर ने दायर किया मुकदमा



मियामी। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी पर मियामी स्थित एक 'ड्रवेंट प्रमोटर' ने मुकदमा दायर किया है, जिसका कहना है कि इस दिग्गज खिलाड़ी ने पिछले साल एक प्रदर्शनी मैच में अनुपस्थित रहकर 70 लाख डॉलर के अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन किया है। अदालती रिकॉर्ड के अनुसार विड म्यूजिक ग्रुप ने पिछले महीने मियामी-डेड सर्किट कोर्ट में मेस्सी और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (AFA) के खिलाफ घोषणा की और अनुबंध के उल्लंघन का मुकदमा दायर किया था। मेस्सी और AFA ने इस संबंध में टिप्पणी के लिए भेजे गए सवालों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। मेस्सी को महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। वह मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए खेलते हैं और प्रशंसक उन्हें खेलते हुए देखने के लिए अक्सर बहुत अधिक कीमत चुकाते हैं। मुकदमे के अनुसार विड ने पिछले साल गर्मियों में अर्जेंटीना के वेनेजुएला और यूटॉरिका को खिलाफ होने वाले मैत्री मैचों के लिए खूब के साथ एक समझौता किया था। विड का दावा है कि मेस्सी को प्रत्येक मैच में कम से कम 30 मिनट खेलना था, बशर्ते कि वह घायल न हों। मेस्सी वेनेजुएला के खिलाफ मैच में नहीं खेलें थे।

## बांग्लादेशी तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का किया ऐलान

### -आईपीएल 2026 के बीच खेल प्रेमियों के लिए आई भावुक कर देने वाली खबर

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के रोमांच के बीच क्रिकेट जगत से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बांग्लादेश के दिग्गज तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से तत्काल प्रभाव से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। 36 वर्षीय इस गेंदबाज का करियर एक दशक से भी अधिक समय तक चला, जिसमें उन्होंने अपनी तेज रफ्तार गेंदों से दुनिया के कई बड़े बल्लेबाजों को परेशान किया। रुबेल ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला साल 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था, जिसके बाद से वे राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह देख रहे थे। रुबेल हुसैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक भावुक सांझा किया करते हुए अपने फैसले की जानकारी फैंस के साथ साझा की। उन्होंने लिखा कि राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनना उनके लिए हमेशा गर्व की बात रही है, लेकिन अब समय आ गया है कि वे युवाओं के लिए रास्ता छोड़ें और अंतरराष्ट्रीय मंच को अलविदा कहें। हालांकि, रुबेल ने यह भी स्पष्ट किया कि वे क्रिकेट के मैदान को पूरी तरह नहीं छोड़ रहे हैं। वे घरेलू क्रिकेट और बांग्लादेश प्रीमियर लीग (BPL) जैसे टूर्नामेंटों में खेलना जारी रखेंगे और अपनी फिटनेस पर ध्यान देंगे। रुबेल का अंतरराष्ट्रीय करियर आंकड़ों के लिहाज से काफी प्रभावशाली रहा है। उन्होंने बांग्लादेश के लिए 27 टेस्ट मैचों में 36 विकेट, 104 वनडे मैचों में 129 विकेट और 28 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 28 विकेट अपने नाम किए। वे उन चुनिंदा गेंदबाजों में शामिल रहे हैं जिन्होंने विश्व कप जैसे बड़े आयोजनों में बांग्लादेश की जीत में अहम भूमिका निभाई। रुबेल ने अपने संदेश में परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी वे नई भूमिकाओं में क्रिकेट से जुड़े रहेंगे और खेल की सेवा करते रहेंगे।





## बॉडी नहीं बनाती ओमेगा-3, शाकाहारी लोगों के लिए बहुत जरूरी हैं ये बीज

ओमेगा 3 एक जरूरी फैटी एसिड है, जिसे शरीर नहीं बना पाता है। इसलिए इसकी कमी का खतरा काफी ज्यादा होता है। जिससे बचने के लिए इन फूड्स का सेवन करना चाहिए।

शरीर को कई तरह के फैट की जरूरत होती है ताकि शरीर का काम सही चलता रहे। मगर ओमेगा-3 फैटी एसिड को बॉडी खुद नहीं बना पाती है और उसे फूड्स पर निर्भर रहना पड़ता है। शरीर में इसकी कमी का खतरा भी हो सकता है।

सेल्स के फंक्शन के लिए यह यूट्रिएंट बहुत जरूरी होता है। शरीर में ओमेगा-3 की कमी से कई सारी दिक्कतें होने लगती हैं। जिनके बारे में न्यूट्रिशनल किरण हकुरेजा ने जानकारी दी है। एक्सपर्ट ने इसे पाने के लिए कुछ फूड्स खाने की सलाह भी दी है।

ओमेगा-3 की कमी से झेलनी होगी ये दिक्कतें हैं। हाई स्किन, हेयर और आई



हाई स्किन और हेयर के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड बहुत जरूरी है। वहीं, आंखों की नमी और रेटिना में इसका हाई कंसंट्रेशन होता है। इसलिए इसकी डिफिशिएंसी त्वचा, बाल और



## गर्मी के मौसम में मसाज के फायदे

गर्मियों का मौसम आ चुका है। इस मौसम में बाहर निकलने पर बढ़ती धूप और गर्म हवा आपको परेशान कर देती है। इसके अलावा रोज की भागदौड़ भरी दिनचर्या लोगों को थका देती है। इसके बाद शरीर पर थकान हावी हो जाती है। इसके बाद कुछ भी करने का मन नहीं करता है। यदि आपको इस मौसम में तरोताजा रहना है तो मसाज एक अच्छा उपाय हो सकता है। मसाज लेने के बाद आप एक बार फिर से तन और मन से ताजगी महसूस करने लगते हैं।

### मसाज के फायदे

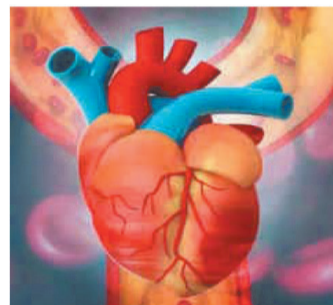
- मसाज से मांसपेशियों की सिक्कड़ने और फैलने की क्षमता में बढ़ोतरी होती है। इसके अलावा मेटाबॉलिज्म का कार्य सही से होने लगता है।
- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन सुचारु रूप से काम करता है।
- मसाज करने से नौद अच्ची आती है। जिसके चलते आंखों की रोशनी बढ़ती है। और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज करने के दौरान लंबी-लंबी सांस लेने से शरीर के अंदर मौजूद कई विषाक्त कारक बाहर निकल जाते हैं। इसके बाद शरीर में स्फूर्ति आ जाती है।
- मसाज रोज करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।
- मसाज से रंग में निखर आता है और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज से मस्तिष्क में तरावट एवं मानसिक शक्ति का अनुभव होता है।
- मसाज के बाद स्किन के छिद्रों में तेल भरे रहने से जीवाणुओं शरीर के अंदर जाने का खतरा नहीं रहता है।

### इनकी भी होती है मसाज

- माथे की मसाज
- गालों की मालिश
- दुडडी की मसाज
- गर्दन की मसाज

आंखों में रूखापन कर सकती है। नाखून हो जायेंगे कमजोर नाखूनों को सेल्स को जोड़ रखने के लिए भी यह फैट जरूरी होता है। इसके कम होने पर सेल्स में ब्रेन डील और कमजोर होने लगते हैं। जिससे नाखून कमजोर और नाजुक हो जाते हैं।

बीमारियों का घर बनेगा दिल



ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी से दिल बीमारियों का घर बन सकता है। क्योंकि, यह कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। जो कि नसों को सिकोड़ने और डैमेज करके दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण बनती हैं।

### शाकाहारी लोगों के लिए ओमेगा-3 फूड

शाकाहारी लोग इसे पाने के लिए अलसी के बीज, चिया सीड्स और अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इनमें इसका प्रकार अल्फा लिनोलेनिक एसिड (एएलए) प्रचुर मात्रा में होता है। साथ में फोर्टिफाइड दूध, योगर्ट आदि का सेवन भी कर सकते हैं।

### ओमेगा-3 के नॉन वेजिटेरियन फूड

मछलियों में ओमेगा-3 फैट काफी होता है। इसके लिए सैल्मन, मैक्रेल, टूना, सार्डिन आदि फैटी फिश का सेवन कर सकते हैं।



गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है।

भारत में गर्मियों का मौसम जारी है और कई जगहों पर पारा 40 डिग्री को भी पार कर गया है।

गर्मी की वजह से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। भाषण गर्मी में पंखा और कूलर भी साथ नहीं रहे हैं। अगले कुछ हफ्तों में गर्मी का सितम और बढ़ेगा और ऐसा वक्त आ जाएगा जब एसी भी काम नहीं करेगी। जाहिर है गर्मी का शरीर पर सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव पड़ता है।

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन की वजह से चक्कर आना, सिरदर्द, ऊर्जा की कमी, भ्रम और यहां तक कि बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डाइट एक्सपर्ट्स की फाउंडर और न्यूट्रिशनल पारुल के अनुसार, गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिर्फ पानी काफी नहीं है।

आपके खाने में कार्ब्स, विटामिन और मिनरल वाली चीजें भी उतनी ही जरूरी हैं। कुछ चीजें हैं जिनका गर्मियों में सेवन करने से शरीर को ठंडा रखा जा सकता है और किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सकता है।

खट्टे फल जूस वाले खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, कीनू



कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल की एक गंभीर और आम समस्या बन गई है। आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं

बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण है। यह कोई आम समस्या नहीं है और इससे दिल से जुड़े रोगों, स्ट्रोक यानी दिमाग का दौरा और हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा है। कोलेस्ट्रॉल शरीर की हर कोशिका में पाया जाता है। यह शरीर के लिए जरूरी भी है लेकिन वो अच्छा कोलेस्ट्रॉल होता है। अच्छा कोलेस्ट्रॉल खाद्य पदार्थों का पाचन, हार्मोन का उत्पादन और अन्य कई काम करता है। यह सभी कचरे और विषाक्त पदार्थों को वापस लीवर में पहुंचाता है। लेकिन एक खराब कोलेस्ट्रॉल भी है, जो धमनियों की दीवारों पर पड़िका की एक परत बनाता है, जिससे रक्त का प्रवाह मुश्किल हो जाता है, जो आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का कारण बन सकता है।

कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं। चूंकि गर्मियों का मौसम जारी है, तो ऐसे में आपको इन सस्ते फलों का खून सेवन करना चाहिए जिससे शरीर से यह गंदा पदार्थ बाहर निकल सके और आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बना रहे।

### पपीता

फाइबर से भरपूर पपीता हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कंट्रोल करता है। फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में सहायक है और यह आंतों की भी सफाई करता है।



## गर्मियों में खाएं ये चीजें चिलचिलाती गर्मी में भी शरीर रहेगा ठंडा

### केला और अंवोकेडो

इन दोनों फलों में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह फाइबर के अच्छे स्रोत हैं। यह दोनों इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं। इन दोनों का शरीर पर ठंडा प्रभाव पड़ता है।

लौकी परिवार की सब्जियां गर्मियों के दिनों शरीर को ठंडा रखने के लिए आपको लौकी परिवार की सब्जियां जैसे लौकी, कद्दू, करेला, तुरई आदि का खूब सेवन करना चाहिए। इनमें पानी की मात्रा होने के साथ सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं।

### साबुजा सीड्स

इन छोटे-छोटे बीजों में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह ओमेगा-3 फैटी एसिड, पोटेशियम, विटामिन सी आदि का भी भंडार है। यह तत्व गर्मी को कम करते हैं और पेट को ठंडा रखते हैं।

### खट्टे फल

जूस वाले खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, कीनू

और मौसमी आदि में जरूरी पोषक तत्व जैसे विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं।

### दही

घर की बनी दही पोषक तत्वों का खजाना है और यह पेट के लिए एक नैचुरल प्रोबायोटिक है, जो शरीर को ठंडा रख सकती है। आप खाने में दही या इसका रायता बनाकर इस्तेमाल करें।



आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण है। कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं।

## खून की नसों में चिपके जिद्दी कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकाल देंगे गर्मियों के ये 5 फल

### अंगूर



एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंगूर फाइबर का एक बेहतर स्रोत है। इस तरह अंगूर का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। अंगूर वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिससे हृदय रोगों के पीछे एक और कारण बताया जाता है।

### खट्टे फल

गर्मियों में सभी तरह के खट्टे फल खाना दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आप अपने खाने में नींबू और संतरे जैसे खट्टे फल शामिल कर सकते हैं क्योंकि यह विटामिन सी से भरे होते हैं, जो इन्सुलिन सिस्टम को भी बढ़ाते हैं।

### सेब



सेब एक ऐसा फल है, जो सिर्फ कोलेस्ट्रॉल ही नहीं बल्कि शरीर में जमा अन्य गंदे पदार्थों को भी कम कर सकता है। सभी हृदय रोगियों को अपने खाने में सेब को शामिल करना चाहिए क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। सेब में फाइबर पेटिटन की मौजूदगी कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करती है।

### स्ट्रॉबेरी

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मानव शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए स्ट्रॉबेरी एक बेहतर फल है। यह एंटीऑक्सिडेंट का बेहतर स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह विटामिन का भंडार है और इसमें कैलोरी बहुत कम होती है।



## स्वाद के साथ सेहत की खान है आम

स्वाद के साथ फायदों की खान है आम। जी हां, आम को फलों का राजा माना जाता है। गर्मियां तो बिना आम के सेवन अधूरी है। आप कोई भी फल खा लें लेकिन आम को अपनी फ्रूट बास्केट में शामिल करना न भूलें। स्वाद के साथ आम खाने के कई फायदे हैं।

कैंसर से बचाव आम में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में फायदेमंद है। इसमें क्यूसैटिन, एस्ट्रगालिन और फिसोस्टिन जैसे ऐसे कई तत्व होते हैं जो कैंसर से बचाव करने में मददगार होते हैं।

कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने में आम में फाइबर और विटामिन सी खूब होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में आम में ऐसे कई एंजाइम्स होते हैं जो प्रोटीन को तोड़ने का काम करते हैं। इससे भोजन जल्दी पच जाता है। साथ ही इसमें उपस्थित साइट्रिक एसिड, टरटैरिक एसिड शरीर के भीतर क्षारीय तत्वों को संतुलित बनाए रखता है।

मोटापा कम करने में मोटापा कम करने के लिए भी आम एक अच्छा उपाय है। आम की गुठली में मौजूद रेशे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। आम खाने के बाद भूख कम लगती है, जिससे ओवर ईटिंग का खतरा कम हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में आम खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।

### स्मरण शक्ति में मददगार

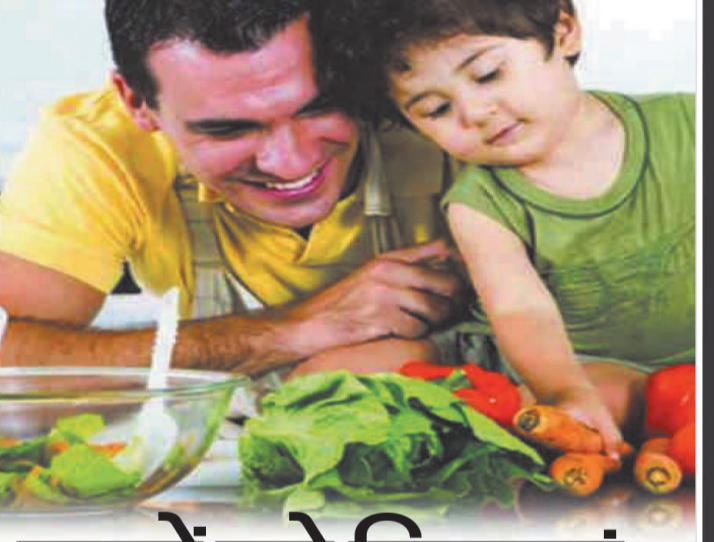
जिन लोगों को भूलने की बीमारी हो उन्हें आम का सेवन करना चाहिए। इसमें पाया जाने वाला ग्लूटामिन एसिड नामक एक तत्व स्मरण शक्ति को बढ़ाने में उत्तरेक की तरह काम करता है। साथ ही इससे रक्त कोशिकाएं भी सक्रिय होती हैं। इसीलिए गर्भवती महिलाओं को आम खाने की सलाह दी जाती है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

आम के गुदे का पैक लगाने या फिर उसे चेहरे पर मलने से चेहरे पर निखर आता है और विटामिन सी संक्रमण से भी बचाव करता है।

मोटापा कम करने में मोटापा कम करने के लिए भी आम एक अच्छा उपाय है। आम की गुठली में मौजूद रेशे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। आम खाने के बाद भूख कम लगती है, जिससे ओवर ईटिंग का खतरा कम हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में आम खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।



## बच्चों को सिखाएं हेल्दी फूड हैबिट

बच्चों के बड़े होने पर उन्हें पोषण देने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें अच्छा पोषण दिया जाए। लेकिन उसके लिए सही शुरुआत करें और स्वस्थ खाना सिखाएं। बच्चे इन स्वस्थ आदतों को खुद अनुभव करें और दूसरों को देखकर सीखते हैं। बच्चों को अच्छी खाने की आदतें सिखाना शुरू करना कभी भी जल्दी नहीं होता है। इसके लिए आप नीचे दिए टिप्स भी अपना सकते हैं जिससे बच्चे सही समय पर स्वस्थ खाना सीखें जो उन्हें बड़े होने तक फायदा पहुंचाएगा। सभी साथ बैठकर खाएं एक परिवार के रूप में एक साथ खाना खाना जरूरी है। बच्चों को सिखाएं कि सभी साथ बैठें। इससे बच्चों के सामने आप हर तरह की सब्जियां खाकर दिखाएंगे तो वो भी आपसे सीखेंगे। साथ ही उन्हें लोगों के सामने व्यवहार करना भी आएगा। इससे एक फायदा होगा कि बच्चा खाना खाते समय फोन या टीवी भी नहीं देखेगा।

### बच्चों को चुनने दें जरूरी नहीं जो हम खा रहे हों वो

बच्चों के बड़े होने पर उन्हें पोषण देने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें अच्छा पोषण दिया जाए। लेकिन उसके लिए सही शुरुआत करें और स्वस्थ खाना सिखाएं। बच्चे इन स्वस्थ आदतों को खुद अनुभव करें और दूसरों को देखकर सीखते हैं। बच्चों को अच्छी खाने की आदतें सिखाना शुरू करना कभी भी जल्दी नहीं होता है। इसके लिए आप नीचे दिए टिप्स भी अपना सकते हैं जिससे बच्चे सही समय पर स्वस्थ खाना सीखें जो उन्हें बड़े होने तक फायदा पहुंचाएगा। सभी साथ बैठकर खाएं एक परिवार के रूप में एक साथ खाना खाना जरूरी है। बच्चों को सिखाएं कि सभी साथ बैठें। इससे बच्चों के सामने आप हर तरह की सब्जियां खाकर दिखाएंगे तो वो भी आपसे सीखेंगे। साथ ही उन्हें लोगों के सामने व्यवहार करना भी आएगा। इससे एक फायदा होगा कि बच्चा खाना खाते समय फोन या टीवी भी नहीं देखेगा।

### बच्चों को चुनने दें जरूरी नहीं जो हम खा रहे हों वो

सभी चीजें बच्चे खाएं। बच्चों के लिए अलग से खाना न बनाएं लेकिन जो आप बना रहे हैं या बड़े खा रहे हैं वो सभी चीज बच्चों को जबरदस्ती न खिलाएं। बच्चों को खुद चुनने दें कि वो इन सबमें से क्या खाना चाहते हैं। अपनी कोशिश जारी रखें बच्चों को हेल्दी फूड हैबिट सिखाने में समय लग सकता है। ऐसे में अपनी कोशिश न छोड़ें। शुरुआत में बच्चे नखरे करेंगे लेकिन आपकी कोशिश जारी रही तो बच्चों की आदत भी बदलेगी। कभी-कभी बच्चों को यह चुनने दें कि खाने में क्या सब्जी बननी चाहिए। साथ ही उन्हें उसे बनाने में मदद के लिए कहें।

लालच देकर न खिलाएं बच्चों को लालच देकर खाना खत्म करने को न कहें। बच्चों को डेजर्ट के लालच में खाना खाने को न कहें। कई माता-पिता इस बात पर जोर देते हैं कि अगर बच्चे पूरा खाना खाएंगे तो उन्हें मिठाई मिलेगी। ऐसा न करें। उन्हें भूख के अनुसार खाना सिखाएं।